

सविता भाभी का बकरा-7

सोनम बोली- दीदी की माँ की चूत, मुझे सोनम बुलाओ, कुतिया और रंडी भी चलेगा लेकिन दीदी दोबारा बोला तो गाण्ड में बांस घुसा कर यहाँ से भगा

दूँगी।...

Story By: उषा मस्तानी (mastaniusha) Posted: Friday, November 21st, 2014

Categories: कोई मिल गया

Online version: सविता भाभी का बकरा-7

सविता भाभी का बकरा-7

भाभी की आहों ने मुझे पूरा उत्तेजित कर दिया था, मैं पूरी ताकत से धक्के मार रहा था, दोनों तरफ से पूरा सहयोग हो रहा था।

थोड़ी देर में मेरा गर्म लावा उनके गर्भ प्रदेश में घुस गया, उन्होंने भी ढेर सारा चूत रस छोड़ दिया था।

हम दोनों कस कर दुबारा एक दूसरे से चिपक गए। यह सेक्स का क्लाइमेक्स था। उसके बाद एक दूसरे से चिपक कर हम सो गए।

सुबह एक बार भाभी ने फिर मुझे अपनी बाहों में भर लिया और हम एक बार फिर एक दूसरे से चूमा चाटी करने लगे।

तभी बाहर से दरवाज़ा खटका सोनम की आवाज़ आई- रण्डी, अब उठ जा, एग्जाम दे आ, मैं चाय बनाने जा रही हूँ।

भाभी नंगी उठीं और दरवाज़ा की सांकल खोलकर फिर रजाई में लेट गई और बोलीं- चाय पीकर कपड़े पहनेंगे।

मेरा तना हुआ लौड़ा सहलाते हुए बोलीं- आह, चुदने का बड़ा मन कर रहा है लेकिन सात बज़ रहे हैं अब तो उठाना पड़ेगा। तुम दिन में यहीं रहना और एक बार इस सोनम कुतिया पर ट्राई मार लेना, साली रात मैं कह रही थी देवर तो बड़ा चिकना है, पित से तो इसका झगड़ा एक साल से चल रहा है, चूत भी कुतिया की उबल रही होगी। भाभी के निप्पल उमेठते हुए मैंने कहा- लेकिन सोनम तो देखने में आपसे कम सुंदर और काली है, उसकी चूचियाँ भी छोटी छोटी हैं, आप जितना मज़ा कहाँ आएगा ?

लौड़े का टोपा रगड़ते हुए भाभी बोलीं- चूत का मज़ा गोरे काले, दुबले पतले, से नहीं चोदने से आता है और चोदू लोग मिलती हुई चूत को छोड़ते नहीं है। मौका मिले तो चूकना नहीं, चूत चोद कर ही छोड़ना दबा दबु के छोड़ दिया तो तुम्हें चूतिया मानेगी। थोड़े खिलाड़ी तो अब तुम हो ही गए हो।

मैं रजाई के अन्दर घुस कर उनकी एक चूची मुँह में लेकर चूस रहा था और दूसरी दबा रहा था, भाभी बोलती जा रही थीं।

तभी सोनम चाय लेकर आ रही थी, भाभी ने रजाई नीचे खिसका दी और बोलीं- इसी तरह चूसते रहो, कुतिया की बुर में खुजली हो रही होगी रात का सोच सोच के ये सब देखकर और गर्म होगी।

तभी सोनम कमरे में आ गई, भाभी सोनम से बोलीं- रात को थके थे, जल्दी नींद आ गई, बेचारे को दुद्दू भी नहीं पिला पाई, इतनी दूर साथ आया है, इतना तो बनता ही है।

उसके बाद सोनम के कान में भाभी ने कुछ फुसफुसाया।

सोनम हँसते हुए बोली- रंडी अब उठ जा, एग्जाम दे आ।

इसके बाद हम अलग हो गए, सबने साथ साथ चाय पी, उसके बाद भाभी उठीं और बाथरूम में फ्रेश होने चली गईं।

सोनम मेरी तरफ देखते हुए बोली- रात को तो मज़ा आ गया होगा... चलो तुम भी तैयार हो जाओ, हम दोनों भाभी को छोड़ आते हैं। मैं कपड़े नहीं पहने था, सिर्फ चादर ओढ़े था, बोला- दीदी थोड़ी देर को बाहर जाओ ना!

सोनम बोली-दीदी की माँ की चूत, मुझे सोनम बुलाओ, कुतिया और रंडी भी चलेगा लेकिन दीदी दोबारा बोला तो गाण्ड में बांस घुसा कर यहाँ से भगा दूँगी। अच्छा यह बताओ कल भाभी से क्या मज़े कर लिए? हॉर्न तो मेरे सामने बजा ही रहे थे।

मैंने झेंपते हुए झूठ बोला-हम तो थके हुए थे, लेटते ही नींद आ गई थी, वो तो सुबह सुबह भाभी ने चिपका लिया था।

सोनम बोली- ओह तुम तो मुझे अच्छे शरीफ लड़के लगते हो। यह सविता कुतिया बहुत झूठ बोलती है, कान में कह रही थी कि रात भर राजेश ने सोने नहीं दिया, ऊपर पहाड़ मसल डाले और नीचे सुरंग खोद डाली, दोनों जगह खूब बजाया। पहले इस रंडी को छोड़ कर आते हैं फिर लौट कर बातें करते हैं।

उसने साइड में पड़ा मेरा नेकर उछाल के फेंका और बोली- ये लो, पहनो मैं अभी आती हूँ।

मैं नेकर पहन कर फ्रेश होने लगा।

तभी भाभी नहा कर मैक्सी में बाहर आ गईं और सोनम तौलिया लेकर अन्दर बाथरूम में चली गई।

भाभी ने इशारे से मुझसे कहा- बाथरूम में झांककर देखो।

जब मैंने अन्दर झाँका तो दंग रह गया सोनम टॉयलेट की सीट पर टांगें चौड़ी करके नंगी बैठी हुई थी और अपनी चूत पर मोमबत्ती फिरा रही थी।

उसके कमसिन बदन पर झूलते हुए चूचों ने मेरे लौड़ा में आग लगा दी।

भाभी ने पीछे से चिपककर मेरे नेकर में हाथ डालकर लौड़ा पकड़ लिया और सुबह के

कुमुनाते लौड़ा को सहलाते हुए कान में बोलीं- इसकी चूत खुजला रही है, आज मौका अच्छा है बजा देना डरना नहीं।

थोड़ी देर भाभी पीछे से मुझे पकड़ कर मेरा लौड़ा सहलाती रहीं और मैं सोनम का नग्न स्नान देखता रहा।

स्नान देखने के बाद मैं मुड़कर भाभी के होंटों को चूसने लगा इस बीच सोनम बाहर आ गई।

भाभी मेरे होंट चूस रही थीं, सोनम तौलिया लपेट कर बाहर आई और अंगड़ाई लेते हुए बोली- राजेश जी, नहा आओ, इस रंडी को एग्जाम दिलवाना जरूरी है, इसकी सास को पता चल गया कि एग्जाम की जगह यह देवर का रस चूस रही थी तो तलाक दिलवा देगी इसे।

भाभी मुझे हटाते हुई बोली- यह कुतिया कह तो ठीक रही है राजेश, तुम जल्दी से तैयार हो। मैं भी कपड़े पहन लेती हूँ।

मैं नहा कर दस मिनट में तैयार हो गया। भाभी ने साड़ी ब्लाउज पहन रखा था और सोनम जीन्स और टी शर्ट पहने थी। नाश्ता करके निकले, सोनम ने कार ड्राइव की, कार में सोनम को कोहनी मारते हुए भाभी ने कहा- अब घर जाकर ऑपरेशन चूत की कमांडर बन जाना।

हम लोग भाभी को सेंटर तक छोड़ सीधे वापस घर आ गए।

घड़ी गयारह बजा रही थी।

सोनम ने घर आकर मुझे चाय बना कर दी और चाय की चुस्कियाँ लेते हुए में उसकी टी शर्ट में कसे संतरे चोर नज़रों से घूरते हुए देखने लगा। मुझे अपने स्तनों में झांकते हुए देख कर मुस्कराते हुए बोली- ऐसे क्या देख रहे हो ? अच्छी तरह से देख लो।

मैं कुछ बोलता, इससे पहले ही सोनम ने अपनी टी शर्ट उतार दी, उसके दोनों कसे हुए छोटे छोटे संतरे बाहर आ गए। मेरी आँखें तो अटक कर रह गईं।

सोनम होंट काटते हुए चूचियाँ हाथों से दबाकर बोली- भाभी से छोटे हैं लेकिन रसीले ज्यादा हैं चूस के देख लो।

सोनम के कसे चूचे देखकर मुझसे रहा नहीं गया, मैं आगे बढ़कर अपने होंटों में उसकी निप्पल भरकर चूचे दोनों हाथों से दबाने लगा।

सोनम मुझे चिपकाते हुए बोली- काली हूँ लेकिन माल मेरा इस रंडी सविता से दस गुना अच्छा है, एक बार चख लिया तो भाभी को भूल जाओगे। संतरे मुँह में लो न।

पूरी चूची मैंने मुँह में भर ली और उसे दांतों से काटते हुए चूसने लगा।

गर्म होने के बाद सोनम बोली- अन्दर चलो ना, मेरी चूत भी भाभी की तरह चोदो ना... बड़ा मन कर रहा है।

थोड़ी देर में हम लोग बिस्तर पर आ गए और हमारे कपड़े उतर गए थे।

मेरा 7 इंची लौड़ा पूरा तन गया था। मेरा लौड़ा अपने हाथों में भरते हुए सोनम ने उसके टोपे पर एक पप्पी ली और बोली- आह, कितना सुन्दर लौड़ा है, उह... इसे मेरी पूसी में डालो न।

उसके चूचे दबाते हुए मैंने उसे अपने नीचे लेटा लिया और उसे दबाते हुए उसके चूत के मुख पर लौड़ा रख दिया। भाभी ने मुझे चोदना सिखा दिया था, थोड़े प्रयास से ही लौड़ा का मुँह चूत में घुस गया, सोनम की चूत बहुत ज्यादा कसी हुई थी, मुझे लौड़ा पेलने में दम लगाना पड़ रहा था।

सोनम को दर्द हो रहा था, वो चिल्ला रही थी- उह आई ऊओह... धीरे से... आह फट गई!

उसकी आँखों से आँसू भी टपक गए थे।

आखिर लौड़ा अन्दर घुस गया और मैंने उसको उसको चोदना शुरू कर दिया।

भाभी की खुली चूत से सोनम की टाइट चूत चोदने का एक अलग ही मज़ा था।

3-4 धक्कों के बाद सोनम चुदाई के मज़े लेने लगी, मुझसे चिपकाते हुए आहें भर रही थी। वो गर्रम आहें भरते हुए चिल्ला रही थी- आह... बड़ा मज़ा आ रहा है... और पेलो... फाड़ दो... बड़ा अच्छा लग रहा है।

चुदाई का मज़ा बढ़ता जा रहा था, चरम सीमा पर पहुँच कर हम साथ साथ झड़े। इसके बाद सोनम ने मेरे गालों पर पप्पियों की बारिश कर दी और मुझसे चिपक गई, मैं भी उससे चिपक गया।

मुझे सोनम को चोद कर आनन्द की अनुभूति हुई। मुझे उसके भाव से लगा वो एक खेली खाई लड़की नहीं है।

जब हम लोग हटे तब उसकी आँखों में हल्के से प्रेम भाव के आँसू थे। वो मेरी गोद लेट गई, उसने मेरे हाथ अपनी चूचियों पर रख लिए और मेरी आँखों में आँखें डालते हुए बोली- थोड़ी देर ऐसे ही बैठो न। दोपहर के दो बज़ चुके थे।

थोड़ी देर बाद मैं सोनम से बोला- मन नहीं भरा... तुम सही कह रही थीं तुम्हारा माल तो भाभी से 20 ही है। मेरा तो और मन कर रहा है। उसने प्यार से मुझे एक पप्पी देकर कहा- अब खाने के बाद दूसरा राउंड खेलेंगे, भूखे पेट तो भजन भी नहीं होते हैं।

उसने अपनी अलमारी दिखाते हुए मेरी पसंद की पारदर्शी मैक्सी पहनी और बाहर निकल कर खाना बनाने लगी।

उसने मेरी पसंद की मैक्सी पहन रखी थी पीछे से उसके चूतड़ और जांघें पूरी चमक रही थीं, गाण्ड का द्वार पूरा दिख रहा था, आगे से स्तन पूरे नंगे दिख रहे थे।

ये सब देखकर मेरा मन चोदने को कर रहा था। मैं पास खड़ा होकर सोनम के चूतड़ सहलाने लगा और उससे बातें करने लगा।

कहानी जारी रहेगी। mastaniusha@rediffmail.com

Other stories you may be interested in

मुम्बई से दुबई- कामुक अन्तर्वासना-1

अपने हमारी पिछली कहानी में हम दोनों परिवार के बीच हुई घमासान चुदाई का पूरा आनन्द लिया, हमें हज़ारों पत्र आये, हमने पूरी कोशिश की कि हम सभी पत्रों का जवाब दे पायें फिर भी शायद कुछ ऐसे पाठक रह [...]

Full Story >>>

बहन की सहेली संग दोस्ती और चुदाई

यह बात हमारे पड़ोस में रहने वाली एक लड़की की है.. उसका नाम अवनी था। वो दिखने में एकदम मस्त माल थी.. मेरी नज़र शुरू से ही उस पर थी। साली चलती भी तो ऐसे थी कि उसके चूतड़ हिलते [...] Full Story >>>

जिस्मानी रिश्तों की चाह -12

सम्पादक जूजा अब तक आपने पढ़ा.. आपा ने मेरे आँसू देखे तो तड़प कर मेरे चेहरे को दोनों हाथों से थाम लिया और मेरे माथे को चूमती हुई भरी आवाज में कहने लगी- ना.. मेरे भाई.. नहीं मेरे सोने भाई.. [...] Full Story >>>

खूबसूरत आंटी संग पहली बार चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम नीलेश है और मैं आप सबको अपनी असली कहानी बताना चाहता हूँ। मैं पूना का रहने वाला हूँ और मैं जो आपको कहानी बताने जाने वाला हूँ.. वो एकदम सच्ची कहानी है। दरअसल यह मेरी जिन्दगी की [...]

Full Story >>>

मैं और मेरी प्यासी चाची

दोस्तो, मेरा नाम मनु (बदला) है, मैं 21 वर्षीय सामान्य दिखने वाला लड़का हूँ, मेरी लम्बाई 5 फीट 10 इंच है, औसत शरीर और लंड की लम्बाई लगभग 7 इंच है। आज मैं आपको अपने जीवन की एक सच्ची दास्तान सुनाने [...]

Full Story >>>



Other sites in IPE

Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Indian Phone Sex



Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Indian Gay Site



#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Tamil Kamaveri



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள், தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள், தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள், தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள், தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள், படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும். மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Bangla Choti Kahini



বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Tamil Scandals



சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்